पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

'पुष्पा' एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का स्ट्रगल

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 12 ■ रविवार, 16 मार्च 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर में होली के उत्सव में खलल

लड़की से छेड़छाड़ समेत हाथापाई की 4 घटनाएं

■ घटना सीसीटीवी में कैद

■ छेड़छाड़ व गुंडागर्दी जोरों पर

उल्हासनगर. होली के दिन शहर में एक युवती से छेड़छाड़, मारपीट, चाकू मारने, बीयर की बोतल से सिर पर चोट पहुंचाने और चॉपर दिखाकर आतंकित करने की घटनाएं सामने आईं। इस संबंध में विभिन्न पुलिस थानों में कुल पांच मामले दर्ज किए गए हैं.

शुक्रवार शाम को पता चला कि अमित पुरसवानी की बेटी, जो अपने ससुराल वालों से होली खेलकर घर जा रही थी, के साथ उल्हासनगर कैंप क्रमांक 1 में फक्कड़ मंडली और झूलेलाल मंदिर के बीच छेड़छाड़ और मारपीट की गई। इस संबंध में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में भावेश होतचंदानी, रोहित जग्याशी और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

दूसरे मामले में रविन्द्र नोमी राम ने शराब नहीं परोसी तो गुस्से में आकर ज्ञानेश्वर और विनोद उरांग ने चाकू से रविन्द्र पर वार कर उसे घायल कर दिया। इस संबंध में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

सेंट्रल पुलिस ने शुक्रवार सुबह 8:30 बजे कैंप नंबर 3 स्थित डर्बी होटल के सामने शराब के नशे में बदसलूकी करने के आरोप में अनिल माखन पाल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। संतोषनगर के कैंप नंबर 4 में अपने दोस्त के साथ लुका-छिपी खेलने गए विशाल गुप्ता को जग्गू उर्फ नैनेश, छोटे उर्फ गणेश राणे, प्रवीण डायर व अन्य ने पीटा और चॉपर लहराकर इलाके में आतंक मचाया। इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पांचवीं श्रेणी में, करण जाधव ने भीम कॉलोनी के कैंप नंबर 4 में होली खेलते समय अपना मोबाइल फोन खो दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने मोबाइल फोन लिया है, तो विशाल नानवरे, संघर्ष शिंदे और स्वप्निल ने गुस्से में आकर करण जाधव के सिर पर बीयर की बोतल से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

होली पर 7 लोगों की डूबकर मौत

होली के रंग में भंग SSC के 4 विद्यार्थियों की डूबने से मौत, उल्हास नदी में युवक, 11 वर्षीय लड़का व आप्टी नदी में युवक डूबा

■ अंबरनाथ, बदलापुर व वांगणी की घटना

■ उल्हास नदी व आप्टी नदी में घटी घटना

अंबरनाथ. रंग पंचमी त्यौहार में बदलापुर में शोक का वातावरण फैल गया. पोद्दार स्कूल के चार छात्र होली खेलने के बाद होली का रंग निकालने के लिए बदलापुर की उल्हास नदी में गए. जहां पानी का अंदाज नहीं आने से चारों की नदी में डूब कर मौत हो गई. वहीं नदी में एक 28 वर्षीय व्यक्ति की डूब कर मौत हो गई. तीसरी घटना बहुत ही खतरनाक है. एक पिता-पुत्र होली के दिन एक रिसोर्ट के पास गए थे. उसका 11 वर्षीय पुत्र रिसोर्ट के बाहर से बहने वाली नदी में नहाने उतरा. उसकी भी डूब कर मौत हो गई है. बदलापुर में आप्टी नदी में होली खेलने के बाद चेहरा धोने गया एक युवक डूब गया, जो उल्हासनगर का निवासी था. इस तरह होली के एक ही दिन उल्हास नदी में 7 लोगों के डूब कर मौत हो गई.

पोद्दार स्कूल के चार छात्र होली खेलने के बाद होली का रंग निकालने के लिए बदलापुर की उल्हास नदी में गए. जहां पानी का अंदाज नहीं आने से चारों की नदी में डूब कर मौत हो गई. चारों छात्र दसवीं की परीक्षा दे रहे थे. 17 मार्च को उनके पेपर थे. आठ लोगों का ग्रुप नदी में रंग निकालने गया था. जिसमें से 4 की डूबकर मौत हो गई. चारों के नाम इस प्रकार हैं- आर्यन मेदार (15), ओम सिंह तोमर (15), सिद्धार्थ सिंह (16) और आर्यन सिंह (16) यह सभी चामटोली बदलापुर पोद्दार हाउसिंग सोसायटी निवासी थे.

■ वांगणी में युवक की डूबकर मौत

वांगणी में अपने दोस्तों के साथ होली खेलने गए एक युवक की डूबकर मौत हो गई है। 28 वर्ष का व्यक्ति जो वांगनी के पास नदी में नहाने गया था, उसकी भी डूब कर मौत हो गई. उसका नाम मिलिंद झांजे बताया गया है।

■ उल्हास नदी में डूबने से 11 वर्षीय बालक की मौत

एक 11 वर्षीय बालक अपने पिता के साथ कपड़ों से रंग हटाने के लिए उल्हास नदी में गया था, लेकिन पानी का अंदाजा न होने के कारण वह डूब गया।

उल्हासनगर कैंप 5 स्थित प्रेमनगर पहाड़ी निवासी 11 वर्षीय हर्ष चव्हाण अपने पिता के साथ होली खेलने के बाद दोपहर करीब 12 बजे बदलापुर स्थित शांतिसागर रिसोर्ट के पीछे उल्हास नदी पर गया था। वह अपना शरीर साफ करने के लिए नदी पर गया, जो रंग से सना हुआ था; हालाँकि, पानी की गहराई का अनुमान न लगा पाने के कारण वह बह गया। पिता ने मदद के लिए चिल्लाया।

घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की; लेकिन दुर्भाग्यवश उनकी मृत्यु हो गई। हर्ष के शव को शाम को पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर सेंट्रल अस्पताल भेज दिया गया। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद प्रेमनगर पहाड़ी क्षेत्र में मातम पसर गया है।

आप्टी नदी में डूबकर युवक की मौत

बदलापुर में आप्टी नदी में खेलने के बाद चेहरा धोने गया एक युवक वहां डूब गया है। मिली जानकारी के अनुसार उल्हासनगर कैंप 4 मद्रासी पाड़ा निवासी नासिर शेख की कल होली खेलने के बाद बदलापुर में आप्टी नदी में डूबने से मौत हो गई। कल पानी में डूबे नासिर का शव आज शनिवार दोपहर 12 बजे बरामद किया गया और शव को पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर सेंट्रल अस्पताल भेज दिया गया है।

सेंट्रल अस्पताल में होली पर हंगामा

■ पुलिसकर्मी व सुरक्षा गार्ड के साथ धक्का-मुक्की

■ मोबाइल कैमरे में घटना कैद

■ दो हिरासत में

■ शराब पीकर कई अस्पताल आए

उल्हासनगर. उल्हासनगर के सरकारी सेंट्रल अस्पताल में आज होली पर काफी हंगामा हुआ है। यहां एक पुलिसकर्मी और सुरक्षा गार्ड के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट का प्रयास किया गया है। यह पूरी घटना मोबाइल फोन पर फिल्माई गई। यहां आए मरीजों के रिश्तेदार पुलिस और सुरक्षा गार्डों को पीटने की कोशिश कर रहे थे। त्योहार के चलते यहां कई लोग शराब पीकर अस्पताल पहुंचे थे। होली में खेलने के बाद उल्हासनगर और आसपास के शहरों में कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं घटित हुईं। नतीजतन, कई घायल लोग अपने रिश्तेदारों के साथ इलाज कराने आए थे, जिससे वहां भारी भीड़ जमा हो गई। इस बीच, सुरक्षा गार्डों ने कुछ लोगों को वहां से चले जाने को कहा, क्योंकि रिश्तेदारों की भीड़ के कारण इलाज में बाधा आ रही थी। इस पर पुलिस ने सुरक्षा गार्ड और पुलिस कर्मियों के साथ मारपीट करने की कोशिश की। इस बीच पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले गई।

12वीं के 10 विद्यार्थी परीक्षा नहीं दे सके

■ लाइट गुल होने से कंप्यूटर हुआ बंद

■ आईटी की परीक्षा थी

■ 17 को फिर से होगी परीक्षा

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के एक स्कूल में दोपहर में अचानक लाइट चली जाने के कारण 12वीं के 10 विद्यार्थी आईटी की परीक्षा नहीं दे सके. यह घटना बुधवार की है. उनकी आईटी की परीक्षा थी. यह ऑनलाइन परीक्षा थी. जैसे दोपहर में पेपर देने का समय शुरू हुआ 2:30 बजे का समय था अचानक लाइट चली गई.

पश्चिम के किंग लॉर्ड्स इंग्लिश स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में 25 विद्यार्थियों में से 10 विद्यार्थी परीक्षा नहीं दे सके. उनके शैक्षणिक नुकसान हुआ है. बिजली खंडित होने के बाद स्कूल प्रशासन ने बैटरी बैकअप इस्तेमाल करके परीक्षा शुरू की. 15 विद्यार्थी पेपर देने में सफल रहे. 10 विद्यार्थियों को तांत्रिक अड़चन के कारण परीक्षा देने में असफल रहे. ऐसी जानकारी किंग लॉर्ड इंग्लिश स्कूल एंड जूनियर कॉलेज की मुख्य अध्यापिका संगीता वर्मा ने दी है.

अचानक बिजली चले जाने से दूसरे सत्र की परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों का कंप्यूटर बंद हो गया और इंटरनेट सुविधा में भी अड़चन आ गई. इस बाबत शिक्षण विभाग को खबर की गई है. 17 मार्च को उन 10 विद्यार्थियों की परीक्षा होगी. ऐसा बताया गया है.

महावितरण के अधिकारी दूधभाते ने बताया कि पड़घा केंद्र में अचानक तांत्रिक बिगाड़ होने के कारण यह समस्या निर्माण हो गई थी.

टेम्पो में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

■ खेमानी परिसर में हड़कंप

■ हत्या अथवा आत्महत्या

■ मृतक के पास से यूपी के प्रमाण पत्र

■ श्मशान भूमि रास्ते पर खड़ा था टेम्पो

उल्हासनगर. उल्हासनगर में खड़े एक टेम्पो में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए सेंट्रल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस जांच कर रही है कि यह हत्या है या आत्महत्या। उल्हासनगर 2 के खेमानी इलाके में श्मशान भूमि जाने वाली सड़क पर एक टेम्पो खड़ा था। जैसे ही पुलिस को सूचना मिली कि इस टेम्पो में शव है, वे मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। शव के पास उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के गोंठा ग्राम पंचायत द्वारा जारी एक निवास प्रमाण पत्र मिला, जिस पर संतोष प्रभुनाथ प्रजापति का नाम लिखा है। इसलिए पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह शव संतोष प्रजापति का है या किसी और का, और यह हत्या है या आत्महत्या।

12वीं कक्षा के छात्र पर जानलेवा हमला

■ परीक्षा देकर लौट रहे छात्र पर हमला

■ एक गिरफ्तार

■ अन्य आरोपी फरार

■ पुरानी दुश्मनी को लेकर हमला

उल्हासनगर. 12वीं कक्षा की परीक्षा देकर घर लौट रहे एक छात्र पर घातक हथियारों से हमला किया गया है। घटना उल्हासनगर 1 स्थित भीम नगर इलाके में शाम को घटी है। चेतन जैस्वाल, साईंस में पढ़ने वाला छात्र है वह 12वीं कक्षा का पेपर देकर शाम को घर लौट रहा था। इसी दौरान भीम नगर इलाके में कुछ युवकों ने उसे रोक लिया और उसके सिर पर घातक हथियार से मारकर जानलेवा हमला किया। चेतन के पिता रिक्शा चालक हैं और कुछ दूरी पर ही थे। जैसे ही उन्हें इस बात की जानकारी मिली, उन्होंने सड़क पर घायल पड़े चेतन को तुरंत उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया। हमलावरों में से एक को गिरफ्तार कर पुलिस को सौंप दिया गया है। इस बीच, कहा जा रहा है कि चेतन पर हमला पिछले झगड़े से गुस्से के कारण किया गया। उल्हासनगर पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

एमडी तस्करी के आरोप में एक गिरफ्तार

कल्याण. पुलिस उपायुक्त के नारकोटिक्स निरोधक दस्ते को सूचना मिली थी कि कल्याण पश्चिम के बैलबाजार इलाके में एक व्यक्ति मेफेड्राइन (एमडी) पाउडर की तस्करी कर रहा है। टीम ने जाल बिछाया और बैलबाजार क्षेत्र से लाखों रुपये मूल्य का 7 ग्राम एमडी पाउडर जब्त किया तथा पाउडर की तस्करी कर रहे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मताफ अनीस रईस (33, निवासी पुरानी मछली मार्केट, गोल्ड प्लाजा बिल्डिंग, कल्याण पश्चिम) के रूप में हुई है। मादक पदार्थ निरोधक दस्ते ने पिछले चार महीनों में कल्याण कृषि उपज बाजार समिति परिसर, बाजार विभाग और कल्याण पश्चिम में बैलबाजार क्षेत्रों से मारिजुआना और एमडी पाउडर की तस्करी करने वाले लोगों को गिरफ्तार किया है।

मादक पदार्थ निरोधक दस्ता महात्मा फुले पुलिस स्टेशन की सीमा में गश्त कर रहा था। इसी दौरान उन्हें बैलबाजार चौक पर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। टीम को जानकारी थी कि इस क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। इसलिए, उन्होंने संदेहास्पद तरीके से इस्माइल को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की। तलाशी के दौरान टीम को प्रतिबंधित एमडी पाउडर मिला। यह पुष्टि करने के बाद कि यह वही व्यक्ति है जिसके बारे में उन्हें सूचना दी गई थी, टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ मादक पदार्थ नियंत्रण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कल्याण और डोंबिवली शहरी क्षेत्रों में एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड की लगातार गश्त के कारण गांजा और एमडी पाउडर की तस्करी के अधिकांश अड्डे पहले ही बंद हो चुके हैं। पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे ने कल्याण और डोंबिवली को नशा मुक्त बनाने के लिए शहर में जोरदार अभियान शुरू किया है। इसके प्रत्यक्ष प्रभाव अब दिखने लगे हैं।

250 सीसी कैमरे लगाने का काम शुरू

■ सीमेंट की नई सड़क तोड़ी जा रही

■ कोई है जो इनको काबू में करेगा ?

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में सीसीटीवी लगाने के लिए शहर पूर्व और पश्चिम में सीमेंट कंक्रीट की सड़क को खोदा जा रहा है. खोद कर जमीन में केबल डालने का काम चालू है. ठेकेदार के नियोजन शून्य के कारण शहरवासियों का सर दर्द बढ़ गया है. मंगलवार को शहर पश्चिम की स्टेशन कंक्रीट की सड़क को मशीन लगाकर तोड़कर गड्ढा कर दिया गया है. शहर पूर्व में तो हद ही हो गई है. जेसीबी से सड़क तोड़ते समय जेसीबी ने अंडरग्राउंड महावितरण के केबल को नुकसान पहुंचा दिया. शनिवार को शहर पूर्व में कई स्थानों पर 8 घंटे तक लाइट चली गई थी. इस गर्मी में शहरवासी पसीने में सराबोर हो गए. महावितरण की पूरी यंत्रणा ने लगातार घंटे मेहनत करके शहर पूर्व में लाइट को चालू किया. शहर की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे. शहर पूर्व में हिंदू शमशान भूमि के समक्ष जेसीबी ने गड्ढा करते समय महावितरण केबल को नुकसान पहुंचाया था. लगभग 8 घंटे तक 10 हजार लोग लाइट से वंचित रहे. कुछ के तो इनवर्टर भी बंद हो गए थे. महावितरण के अधिकारी प्रजापति ने यह जानकारी दी है.

आनंद नगर सब स्टेशन पर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि

■ उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर में उपभोक्ताओं से बिजली का समझदारी से उपयोग करने की अपील

अंबरनाथ. महापारेषण के 220/22 केवी आनंदनगर सबस्टेशन के तीन 50 एमवीए सबस्टेशनों में से एक की क्षमता को बढ़ाकर 100 एमवीए करने का काम मंगलवार (11) सुबह से शुरू हो गया है। यह कार्य 20 मार्च की मध्य रात्रि तक पूरा होने की उम्मीद है। विभिन्न औद्योगिक संघों और उपभोक्ताओं, महापारेषण और महावितरण की संयुक्त बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार क्षमता विस्तार का काम शुरू कर दिया गया है।

आनंदनगर एमआईडीसी में 13 एक्सप्रेस फीडरों पर औद्योगिक उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति महापारेषण के आनंदनगर सबस्टेशन में शेष दो 50 एमवीए क्षमता वाले जनरेटर के माध्यम से परिपत्र तरीके से करने की योजना बनाई गई है। इस सबस्टेशन से आपूर्ति किए जाने वाले अन्य उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति जारी रखने की योजना है।

इस बीच, महापारेषण और महावितरण ने उल्हासनगर उपविभाग 4 और 5, अंबरनाथ पूर्व और पश्चिम, बदलापुर पूर्व और पश्चिम के अंतर्गत आने वाले सभी बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे काम पूरा होने तक बिजली का संयम से उपयोग करें। महावितरण के खरवाई और पोद्दार सबस्टेशनों का पूरा भार, जिन्हें आनंदनगर सबस्टेशन से बिजली की आपूर्ति की जाती है, वर्तमान में महापारेषण के मोरीवली सबस्टेशन पर स्थानांतरित कर दिया गया है। बदलापुर पूर्व को खरवई और पोद्दार सबस्टेशनों से बिजली की आपूर्ति की जाती है।

तकनीकी कठिनाइयों की संभावना

महापारेषण और महावितरण द्वारा संयुक्त रूप से योजना बनाई गई है कि क्षमता विस्तार कार्य पूरा होने तक संबंधित क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति बाधित न हो। इससे लोड बढ़ने या अपरिहार्य तकनीकी कारणों से बिजली आपूर्ति में बाधा भी आ सकती है। इसलिए इस अवधि के दौरान बिजली का उपयोग यथासंभव कम किया जाना चाहिए; महावितरण ने भी इस कार्य के लिए सहयोग की अपील की है। क्षमता विस्तार कार्य से क्षेत्र के सभी बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान की जा सकेगी।

सेंट्रल अस्पताल में आर्थोपेडिक इम्प्लांट सर्जरी डेढ़ महीने से ठप

उल्हासनगर. उल्हासनगर सेंट्रल अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था गंभीर स्थिति में है। महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के तहत आर्थोपेडिक इम्प्लांट सर्जरी डेढ़ से दो महीने से विलंबित है। जरूरी सर्जरी के लिए भर्ती मरीजों को बेड पर इंतजार करते हुए परेशानी झेलनी पड़ रही है। वित्तीय उपेक्षा के कारण इस अस्पताल में इलाज की स्थिति खराब हो गई है और जरूरतमंद मरीजों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के तहत आर्थोपेडिक इम्प्लांट सर्जरी के लिए आवश्यक सामग्री अस्पताल में उपलब्ध नहीं है। इसका कारण यह है कि परियोजना के बिलों का भुगतान न होने के कारण आपूर्तिकर्ताओं ने छड़ों और अन्य सामग्रियों की आपूर्ति बंद कर दी है। नतीजतन, पैरों में रॉड डालने के लिए भर्ती

मरीजों को डेढ़ से दो महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है। इनमें से अधिकांश मरीज सामान्य आर्थिक स्थिति वाले परिवारों से हैं। वे निजी अस्पताल में इलाज कराने में असमर्थ हैं। कई लोग आजीविका की समस्या से जूझ रहे हैं।

सर्जरी में देरी के कारण मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए ठाकरे गुट के जिला प्रमुख धनंजय बोडारे ने केंद्रीय अस्पताल का दौरा किया और डॉक्टरों से चर्चा की। योजना को क्रियान्वित करने वाले अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। बोडारे ने चेतावनी दी है कि यदि तत्काल निर्णय नहीं लिया गया तो ठाकरे समूह मरीजों के लिए न्याय हेतु विरोध प्रदर्शन करेगा।

सेंट्रल अस्पताल की स्थिति अत्यंत गंभीर है तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए तत्काल सर्जरी की आवश्यकता है। सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने योजना के लिए बकाया धनराशि शीघ्र उपलब्ध नहीं कराई तथा अस्पताल के संचालन में तेजी नहीं लाई तो मरीजों के अधिकारों के लिए जोरदार आंदोलन किया जाएगा। मरीजों की दुर्दशा, प्रशासन की उदासीनता और सरकार की देरी से केंद्रीय अस्पताल का स्वास्थ्य प्रणाली पर भरोसा डगमगा रहा है। अब इस भयावह स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? ऐसा प्रश्न उठ रहा है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

अवैध घुसपैठ पर रोकथाम

अमेरिका और ब्रिटेन सहित दुनिया के कई देश आज जब अवैध आप्रवासियों की घुसपैठ रोकने के लिए कड़ा कदम उठा रहे हैं, तो भारत ने भी इस दिशा में एक बड़ी पहल की है। अवैध आप्रवासन और विदेशी नागरिकों के आने से संबंधित एक विधेयक लोकसभा में पेश कर स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मुद्दे पर उतना ही गंभीर है, जितना दूसरे देश। आने वाले समय में वह सख्त कदम उठा सकता है। कोई दोराय नहीं कि आंतरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप्रवासन प्रक्रिया को मजबूत बनाने की दिशा में भारत का यह बड़ा निर्णय है।

उसने इसके साथ ही दूसरे देशों खासकर पड़ोसियों को संदेश दे दिया है। विधेयक पारित होने के बाद अवैध घुसपैठ रोकने में तो मदद मिलेगी ही, जाली कागजात के जरिए किसी भी राज्य में छिप कर रहने वाले विदेशी नागरिकों पर कड़ा अंकुश लगाया जा सकेगा। भारत में अवैध रूप से रहने से उन्हें हतोत्साहित किया सकेगा।

हालांकि सरकार ने साफ कर दिया है कि किसी को देश में आने से रोकने के लिए यह विधेयक नहीं लाया गया है। स्वाभाविक रूप से हर देश यही चाहता है कि कोई भी विदेशी नागरिक वैध दस्तावेज के साथ आए और नियमों का पालन करे। वैसे भी किसी विदेशी को अपने यहां आने या न आने देना संबंधित देश का संप्रभु अधिकार होता है।

भारत में इस समय अवैध आप्रवासियों की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। इनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को तो खतरा रहता ही है, इनके कारण बुनियादी सुविधाओं पर भी बोझ बढ़ता है। इससे मूल स्थानीय निवासी प्रायः कई नागरिक सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। यह मुद्दा बार-बार उठता रहा है। इस पर दलगत राजनीति भी होती रही है।

मगर यह मसला हमेशा उलझा रहा। अब बिना वीजा के रह रहे विदेशी नागरिकों को कानून के दायरे में लिया जा सकेगा। उन्हें सजा भी दी जा सकेगी। चार पुराने अधिनियमों को निरस्त कर बन रहा नया अधिनियम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्त्वपूर्ण है। आव्रजन अधिकारियों को अधिक शक्तियां मिलने से तत्काल कार्रवाई हो सकेगी। अवैध आप्रवासियों से निपटना सरकार के लिए आसान हो जाएगा।

पार्टी के अंदर एक-दूसरे को लेकर संदेह का माहौल

हाल में राहुल गांधी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर थे। उन्होंने अहमदाबाद में प्रमुख नेताओं के साथ बैठक में अपने नेताओं को दूसरी पार्टी यानी भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाने से लेकर उन्हें बारात के घोड़े तक की संज्ञा दे दी। उन्होंने भाजपा से मिलकर काम करने वाले 30-40 कांग्रेस नेताओं को निकालने की भी बात कही।

गुस्से या खीझ में वक्तव्य देने का केवल गुजरात नहीं, पूरे देश के आम कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के अंदर संदेश सकारात्मक नहीं गया होगा। राहुल गांधी और उनके रणनीतिकार कह सकते हैं कि कांग्रेस को जगह-जगह चुनावी जीत दिलाना और राष्ट्रीय स्तर पर भी सत्ता में लाना है तो भितरघात करने वालों तथा पार्टी के विचार और लक्ष्य के अनुरूप न काम करने वालों को बाहर करना पड़ेगा।

किसी पार्टी में अगर भितरघाती सक्रिय हों तो इसे सामान्य भाषा में गद्दारी कहते हैं। राहुल की बातों को स्वीकार कर लें तो उन्हें दूसरे दल से मिलकर काम करने वाले नेताओं को बाहर करने से रोकने वाला कोई नहीं है, किंतु यह इतना सामान्य नहीं है। उन्होंने जो कहा, उसका निहितार्थ उतना सपाट भी नहीं है।

काफी समय से कांग्रेस में वैचारिक अंतर्द्वंद्व जारी है जो समय-समय उभरता रहता है। केरल में तिरुअनंतपुरम से सांसद और वरिष्ठ नेता शशि थरूर का मामला सामने है। चूंकि थरूर बड़े नेता हैं, इसलिए उनका मामला देशव्यापी चर्चा में आ गया। हर राज्य में ऐसे नेताओं की बड़ी संख्या है, जिन्हें इसी तरह संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। जिस पार्टी के अंदर एक-दूसरे को लेकर संदेह का माहौल हो, कल्पना कर सकते हैं कि उसकी दशा क्या होगी।

थरूर ने अपने लेखन और वक्तव्य से ऐसे वैचारिक बदलाव का कोई संकेत दिया नहीं है कि वह आरएसएस और भाजपा की विचारधारा के निकट हैं। यह अलग बात है कि सरकार की कई नीतियों खासकर मोदी सरकार की विदेश नीति पर उनके वक्तव्य व्यावहारिक तथ्यों के साथ रहे हैं। सही को सही कहना भी किसी पार्टी में भाजपा समर्थन या आंतरिक अनुशासन तोड़ना है तो इसका कोई रास्ता नहीं है। एक समय प्रधानमंत्री मोदी ने भी तो थरूर के आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में दिए गए भाषण की प्रशंसा की थी।

वर्तमान भारतीय राजनीति का सच यह है कि हर पार्टी में प्रकट या मौन हिंदुत्व समर्थक बढ़े हैं। कुछ नेताओं और पार्टियों का इस सच से सामना हुआ है कि किसी भी स्थिति में हिंदुत्व विरोधी दिखने से उनके जनाधार पर विपरीत असर पड़ेगा। उन्हें सार्वजनिक तौर पर स्वयं को हिंदुत्वनिष्ठ-धर्मनिष्ठ प्रदर्शित करना पड़ रहा है।

ऐसा करते हुए वे संघ और भाजपा को गलत हिंदुत्ववादी बताते हैं। एक समय राहुल और उनके पूर्व के रणनीतिकार भी धर्मनिष्ठ होने का प्रदर्शन कर रहे थे। वह मंदिर-मंदिर जा रहे थे। उस समय राहुल को जनेऊधारी हिंदू ब्राह्मण बताया गया था। उनकी कैलास मानसरोवर की यात्रा तक हुई।

इसके पीछे रणनीति यही थी कि प्रधानमंत्री मोदी का सामना करना है तो कांग्रेस और उसके नेतृत्व को भी हिंदुत्व प्रेरित राष्ट्रवाद पर आना पड़ेगा। कांग्रेस के अनेक नेता सार्वजनिक मंचों से स्वयं को हिंदू और धर्मनिष्ठ कहने लगे थे। क्या वे भाजपा, संघ या मोदी समर्थक हो गए थे? इस समय भारत सहित विश्व भर में एक अजीब किस्म के वामपंथ का प्रभाव दिख रहा है, जो राष्ट्र-राज्य से लेकर सामाजिक-सांस्कृतिक-धार्मिक मामलों और पर्यावरण, विकास, शिक्षा आदि पर अतिवादी विचार अभियान चला रहा है। सारे प्रमुख देशों में इसका असर दिख रहा है। यह सीधे-सीधे नए तरह का फंडामेंटलिज्म है, जिसका भावानुवाद धार्मिक कट्टरता नहीं हो सकता। विदेश यात्राओं में राहुल गांधी को समय-समय पर ऐसे लोगों या समूहों के साथ देखा गया है। उनके रणनीतिकार और सलाहकारों में भी ऐसे लोग हैं। राहुल गांधी का एक आक्रामक वामपंथी नेता का स्वरूप सामने आया है।

बलूचिस्तान के मुद्दे पर मुश्किल में पाकिस्तान

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए की ताजा कार्रवाई से साफ हो गया है कि पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि बीएलए और दूसरे बलूच विद्रोहियों से पाकिस्तानी हुकूमत को लंबे समय से चुनौती मिलती रही है, मगर इधर के कुछ वर्षों में इन चरमपंथी गुटों ने जिस तरह अपनी रणनीतियां बदली हैं, उससे वहां की सेना और पुलिस के लिए नाकों चने चबाने जैसी स्थिति हो गई है। मंगलवार को बीएलए विद्रोहियों ने एक रेलगाड़ी पर हमला कर दिया। उसमें चार सौ लोगों के सवार थे।

पाकिस्तानी सेना का दावा है कि उसने उनमें से तीन सौ लोगों को छुड़ा लिया है और सभी बागियों को मार गिराया है। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि विद्रोही कुछ मुसाफिरों को गाड़ी से उतार कर जंगलों की तरफ ले गए थे। इस संघर्ष में करीब तीस सैनिकों के मारे जाने की खबरें सामने आई है। पर इस घटना को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिल पा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ आत्मघाती बलूच लड़ाके गाड़ी के भीतर मुसाफिरों के बीच मौजूद थे, जिससे उन्हें मुक्त कराने के अभियान में मुश्किलें आईं।

इस घटना से कुछ संकेत साफ हैं कि बीएलए ने न केवल हमले की अपनी रणनीति बदली है, बल्कि अपने सिद्धांतों में भी बदलाव किया है। बीएलए हमेशा से आत्मघाती हमले के खिलाफ रहा है, पर रेलगाड़ी पर हमले में अगर आत्मघाती दस्ते उतारे हैं, तो साफ है कि उसने अपनी नीतियों में बदलाव कर लिया है। दरअसल, बलूचिस्तान प्रांत के लोग लंबे समय से अपनी आजादी की मांग के साथ

पाकिस्तानी हुकूमत से संघर्ष करते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार उन्हें बंदूक के बल पर दबाने का प्रयास करती रही है।

इसका नतीजा यह हुआ कि वहां चरमपंथी संगठन सक्रिय होते गए और समय-समय पर ताकत बटोर कर चुनौती देते रहे हैं। बलूचिस्तान प्रांत में प्राकृतिक संसाधन बहुत है, और रणनीतिक रूप से भी उसका महत्त्व है, इसीलिए चीन ने वहां अपनी परियोजनाएं शुरू की। मगर ग्वादर बंदरगाह पर चीन की पैठ बनी, तभी से बलूच विद्रोही उसका विरोध करते रहे हैं। उनके चरमपंथी हमलों में कई चीनी अधिकारी और कर्मचारी भी मारे जा चुके हैं। मगर पाकिस्तान सरकार सदा की तरह इन विद्रोहियों को बंदूक के बल पर दबाने की कोशिश करती रही है। उसे इस मामले में कामयाबी भी इसलिए मिल जाती रही है कि बलूचिस्तान में सक्रिय चरमपंथी संगठनों के बीच हितों का टकराव देखा जाता रहा है।

मगर अब वहां सक्रिय सभी विद्रोही संगठनों ने हाथ मिला लिया है। पिछले महीने के आखिर में वहां के पांच प्रमुख चरमपंथी संगठनों की बैठक हुई थी, जिसमें फैसला किया गया कि चूंकि सबका मकसद एक है- बलूचिस्तान की आजादी, इसलिए सब साथ मिल कर लड़ेंगे। उन्होंने एलान कर दिया कि पाकिस्तानी हुकूमत और चीन का वे हर तरह से मुकाबला करने को तैयार हैं।

जाहिर है, इससे विद्रोहियों की ताकत बढ़ गई है। पिछले कुछ समय में हुए हमलों की प्रकृति बताती है कि वे काफी सोच-समझ कर कदम बढ़ाने लगे हैं और उनकी कार्रवाई का बड़ा असर देखा जा रहा है। पाकिस्तान इन दिनों खुद आर्थिक तंगी का शिकार है, उसकी सेना इन विद्रोही गुटों का कहां तक और कितनी देर तक मुकाबला कर पाएगी, कहना मुश्किल है। वहां की सरकार इस बात को लेकर भी चिंतित है कि विद्रोही गुटों को अफगानिस्तान से शह मिल रही है।

प्लास्टिक के बैग में भी पैदा किए जा सकते हैं बच्चे!

जरा हट के

क्या कभी सोचा है कि बच्चे गर्भ के बाहर भी पल सकते हैं? सुनने में ही अजीब लगता है. लेकिन वैज्ञानिक इस असंभव तरीके को संभव बनाने में लगे हुए हैं. साइंटिस्ट्स द्वारा बनाई गई यह तकनीक 'कृत्रिम गर्भाशय' कहलाती है, जो बच्चे को गर्भधारण से लेकर जन्म तक की प्रक्रिया को बिना गर्भावस्था के पूरा कर सकती है. यह विचार पहले तो विज्ञान कथा की कहानी लगता था, लेकिन अब यह वास्तविकता बनने की राह पर है. कृत्रिम गर्भाशय, महिलाओं के गर्भाशय के सभी कार्यों को दोहराने में सक्षम है. यह विकासशील भ्रूण को ऑक्सीजन और पोषक तत्व प्रदान करता है. तस्वीर में देखा जा सकता है कि भेड़ के बच्चों को सपोर्ट करने के लिए एक प्रयोगात्मक कृत्रिम गर्भाशय का परीक्षण किया जा रहा है.

कृत्रिम गर्भाशय का मुख्य इस्तेमाल समय से पहले जन्मे बच्चों को सपोर्ट करना है, जो

ज्यादातर मामलों में जीवित नहीं रह पाते. परीक्षणों में शोधकर्ताओं ने दिखाया है कि कृत्रिम गर्भाशय में रखे गए समय से पहले जन्मे भेड़ के बच्चे न केवल जीवित रहे, बल्कि उनका वजन भी बढ़ा और उनके बाल भी उग आए. हालांकि, ज्यादातर लोग इस तकनीक को लेकर संशय में हैं, लेकिन जेन जेड (Gen Z) की पीढ़ी इसे खुले दिल से अपनाने के लिए तैयार है. एक सर्वे के मुताबिक, 18 से 24 साल के 42% युवाओं ने कहा कि वे 'भ्रूण को महिला के शरीर के बाहर विकसित करने' के पक्ष में हैं. यह सर्वे थिंक टैंक 'थियोस' (Theos) ने किया था, जिसमें 2,292 लोगों से उनके विचार पूछे गए. सर्वे के नतीजे बताते हैं कि ज्यादातर लोग इस तकनीक के खिलाफ हैं, सिवाय उन मामलों के जहां यह मां या बच्चे की जान बचा सके.

कुछ लोगों का मानना है कि यह तकनीक महिलाओं के लिए एक क्रांतिकारी कदम हो सकती है, जो उन्हें गर्भावस्था के शारीरिक और भावनात्मक बोझ से मुक्त कर सकती है. लेकिन कुछ आलोचकों का कहना है कि यह तकनीक 'महिलाओं के अस्तित्व के लिए खतरा' बन सकती है.

चीज टोमैटो सैंडविच

सुबह-सुबह हेल्दी और टेस्टी नाश्ता मिल जाए तो दिन की शुरुआत ही मजेदार हो जाती है। अगर आप भी कुछ झटपट और स्वादिष्ट बनाना चाहते हैं, तो चीज टोमैटो सैंडविचएक बेहतरीन ऑप्शन है। यह न सिर्फ बनाने में आसान है, बल्कि टेस्टी होने के साथ-साथ हेल्दी भी है। आइए जानते हैं इसकी झटपट बनने वाली रेसिपी।

सामग्री :

- 4 ब्रेड स्लाइस
- 1 बड़ा टमाटर (पतले गोल टुकड़ों में कटा हुआ)
- ½ कप ग्रेट किया हुआ चीज (मोजेरेला या प्रोसेस्ड चीज़)
- 1 छोटा चम्मच बटर
- 1 छोटा चम्मच हरी चटनी (वैकल्पिक)
- ¼ छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
- ¼ छोटा चम्मच चिली फ्लेक्स
- नमक स्वादानुसार

विधि :

सबसे पहले ब्रेड स्लाइस लें और उन पर हल्का सा बटर लगाएं।

अगर आप फ्लेवर बढ़ाना चाहते हैं, तो एक साइड पर हरी

चटनी भी स्प्रेड कर सकते हैं।

अब ब्रेड के ऊपर टमाटर के पतले स्लाइस रखें और ऊपर से थोड़ा नमक, काली मिर्च और चिली फ्लेक्स छिड़कें।

अब इसके ऊपर ग्रेट किया हुआ चीज़ डालें और दूसरी ब्रेड स्लाइस रखकर सैंडविच को हल्के हाथों से दबाएं।

अब तवे या सैंडविच मेकर पर हल्का बटर लगाकर सैंडविच को गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी होने तक सेक लें। तैयार है आपका चीज टोमैटो सैंडविच! इसे केचप या मिंट चटनी के साथ गरमागरम सर्व करें।

अच्छी सेहत की चाभी है भरपूर नींद

नींद न पूरी होने से क्या दिक्कतें होती हैं

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन और नियमित व्यायाम जरूरी है। इस बारे में हम सभी जानते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि पौष्टिक आहार और व्यायाम के साथ-साथ रोजाना अच्छी नींद लेना भी बहुत जरूरी है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को रोजाना रात में 8-9 घंटे की अच्छी और गहरी नींद लेने की सलाह देते हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि शारीरिक और मानसिक दोनों स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में अच्छी नींद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह मस्तिष्क, हृदय, इम्यून सिस्टम और मानसिक स्वास्थ्य को फिट रखने के लिए बहुत जरूरी है।

नींद हमारी सेहत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है, नींद की कमी से किस तरह की समस्याएं हो सकती हैं, इस

बारे में जागरूकता बढ़ाने और नींद में कैसे सुधार किया जा सकता है इसको लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से विश्व नींद दिवस मनाया जाता है।

अच्छी नींद से पूरा शरीर रहता है स्वस्थ

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, मस्तिष्क से लेकर हृदय स्वास्थ्य, मेटाबॉलिज्म से लेकर इम्युनिटी ठीक रखने तक के लिए अच्छी नींद लेना बहुत जरूरी है। नींद के दौरान शरीर क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की मरम्मत करता है, हार्मोन्स को संतुलन करता है और प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) को मजबूत करता है।

अच्छी नींद क्यों जरूरी है?

संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए रोजाना रात में अच्छी नींद लेना बहुत जरूरी माना जाता है।

नींद के दौरान मस्तिष्क दिनभर की जानकारी को व्यवस्थित करता है, याददाश्त को मजबूत करता है। इससे नई चीजें सीखने की क्षमता बढ़ाती है।

शोध बताते हैं कि अच्छी नींद लेने वाले लोगों की निर्णय लेने की क्षमता, समस्या हल करने का कौशल और रचनात्मकता बेहतर होती है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अच्छी नींद लेने वाले लोगों में स्ट्रेस-डिप्रेशन का खतरा कम होता है।

नींद पूरी न होना कितना नुकसानदायक?

साल 2017 के एक शोध के अनुसार, केवल एक रात की खराब नींद भी एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर कर सकती है। इसके अलावा आप पूरे दिन थकान, कमजोरी और सुस्त महसूस कर सकते हैं।

नींद पूरी ने होने से शरीर में घ्रेलिन (भूख बढ़ाने वाला हार्मोन) की मात्रा बढ़ जाती है और लेप्टिन (भूख कम करने वाला हार्मोन) की मात्रा घट जाती है, जिससे ज्यादा खाने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है इससे मोटापे हो सकता है। इतना ही नहीं नींद की कमी से शरीर में इंफ्लेमेशन को भी बढ़ा देती है, जिससे ब्लड प्रेशर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उनके शरीर की संक्रमण से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है।

अच्छी नींद पाने के लिए क्या करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी लोगों को अच्छी नींद पाने के लिए प्रयास करना चाहिए। इसके लिए सोने और जागने का नियमित समय तय करें। हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने से शरीर का सर्केडियन रिदम संतुलित रहता है। मोबाइल, लैपटॉप और टीवी से निकलने वाली ब्लू लाइट मेलाटोनिन (नींद लाने वाला हार्मोन) के स्तर को कम कर देती है, जिससे नींद प्रभावित होती है। इसलिए सोने से कम से कम एक घंटे पहले स्क्रीन का उपयोग न करें। कैफीन (चाय, कॉफी, सोडा) और शराब के सेवन से बचें, खासकर सोने से 4-6 घंटे पहले।

आज का राशिफल

मेष : आज भूमि, संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें। सम्मान व कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यापार में नए प्रस्तावों से लाभ मिलने के योग हैं।

वृषभ : विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें। रचनात्मक कार्यों का प्रतिफल प्राप्त होगा। व्यापार में उन्नति होगी। कानूनी विवादों का निपटारा होगा।

मिथुन : बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दौड़धूप अधिक होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। संतान पर अनावश्यक रोक न लगाएँ। धन लाभ होने की भी संभावना है। सामाजिक कार्यों में सीमित रहें।

कर्क : मेहनत का फल मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। इच्छित काम पूर्ण हो सकेंगे। स्वास्थ्य की समस्या सुलझेगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

सिंह : अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। प्रमाद न करें। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। वैवाहिक अड़चनें समाप्त होंगी। आय-व्यय में असंतुलन की स्थिति बन सकती है।

कन्या : यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएँगे। दिनचर्या नियमित रहेगी। रिश्तेदारों से भेंट हो सकेगी। दूसरों की आलोचना, निंदा से दूर रहें। फालतू खर्च होगा।

तुला : आज क्रोध पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यावसायिक समस्याओं का हल आपके माध्यम से हो सकेगा। दूसरों से व्यर्थ में न उलझें।

वृश्चिक : लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। व्यवहार-कुशलता से समस्या का समाधान संभव है। व्यापारिक निर्णय लेने में देरी नहीं करना चाहिए। लाभ होगा।

धनु : योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी। प्रयास व सहयोग से अनुकूलता आएगी। पिता से व्यापार के विषय में मतभेद हो सकते हैं।

मकर : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं। रचनात्मक काम होंगे। आलस्य को त्यागकर कार्यों को समय पर करने से सफलता प्राप्त हो सकती है।

कुंभ : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सोच-समझकर व्यय करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। विवाद समाप्त होने से शांति एवं सुख बढ़ेगा। व्यापार अच्छा चलेगा।

मीन : प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएँगे। काम के प्रति लापरवाही न करें। प्रयत्न एवं दूरदर्शिता से सहयोग व समर्थन मिलेगा। लाभ होगा।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पहले सनस्क्रीन लगाएं या मॉइस्चराइजर?

गर्मियों के मौसम में अपनी स्किन की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना जरूरी हो जाता है, लेकिन कई लोग यह सोचते हैं कि सनस्क्रीन और मॉइस्चराइजर को एक साथ कैसे और किस क्रम में लगाना चाहिए? क्या आपको पहले मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए या फिर सनस्क्रीन? इस सवाल का सही जवाब जानने के लिए आप पढ़ें पूरा आर्टिकल, ताकि आप अपनी स्किन की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकें.

क्या कहते हैं रिपोर्ट्स?

जानकारी के अनुसार, स्किन की देखभाल के लिए दोनों, यानी मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन, का इस्तेमाल करें करना जरूरी है. लेकिन सही तरीका और समय जानना भी जरूरी है, ताकि इनका प्रभाव सही तरीके से दिख सके. अगर इन दोनों का इस्तेमाल करें सही तरीके से किया जाए, तो यह आपकी स्किन को न केवल हाइड्रेटेड रखेगा, बल्कि सूरज की हानिकारक किरणों से भी बचाएगा.

सनस्क्रीन लगानी चाहिए. पसीने के कारण सनस्क्रीन का असर कम हो सकता है, इसलिए आपको इसे समय-समय पर फिर से लगाना चाहिए. यह तरीका आपकी स्किन को सूरज की किरणों से सुरक्षा प्रदान करेगा.

सनस्क्रीन और मॉइस्चराइजर लगाने का सही तरीका

1. सिंकिंग स्किन टाइप के अनुसार-

अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो सबसे पहले मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए. मॉइस्चराइजर को अच्छे से स्किन में समाने के लिए 5-7 मिनट का समय दें, फिर सनस्क्रीन लगाएं. इस तरह से आपकी स्किन में नमी बनी रहेगी और सनस्क्रीन के कारण कोई व्हाइट पैच भी नहीं दिखेंगे.

2. अगर पसीना अधिक आता हो-

अगर आपकी स्किन पसीने से ग्रस्त रहती है, तो आपको सीधे

3. स्विमिंग करते समय-

अगर आप स्विमिंग करते हैं, तो पानी में जाने से पहले केवल सनस्क्रीन लगाना सही रहता है. पानी के संपर्क में आने के बाद आपकी स्किन को फिर से मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन दोनों की जरूरत होगी. ऐसा करने से आपकी स्किन नमी बनी रहती है और सूरज से सुरक्षा भी मिलती है.

सही क्रम में मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन का इस्तेमाल आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और सुरक्षित रखने में मदद करेगा. इसलिए अब जब भी सूरज की किरणों का सामना करें, तो सही तरीके से इन दोनों का इस्तेमाल करें करके अपनी स्किन की सही देखभाल करें.

एलोवेरा से बनाएं DIY मास्क

सॉफ्ट और ग्लोइंग हो जाएगी स्किन

एलोवेरा एक प्राकृतिक जड़ी-बूटी है जो त्वचा को पोषण देने, हाइड्रेट करने और निखारने में मदद करती है. इसके एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और हाइड्रेटिंग गुण इसे एक बेहतरीन स्किन केयर इंग्रेडिएंट बनाते हैं. अगर आप प्राकृतिक रूप से चमकती त्वचा चाहते हैं, तो घर पर बने एलोवेरा फेस मास्क आजमाएं. यहां हम आपको DIY एलोवेरा फेस मास्क के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाएंगे.

अगर आप ग्लोइंग स्किन चाहते हैं, तो एलोवेरा और हल्दी फेस मास्क लगाना फायदेमंद रहेगा. हल्दी में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्किन को साफ और बेदाग बनाते हैं. बस 2 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 चुटकी हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें. वहीं, अगर आपकी त्वचा रूखी और बेजान लग रही है, तो एलोवेरा और शहद फेस मास्क आजमाएं. 2 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद मिलाएं और 15 मिनट तक लगाकर रखें, फिर गुनगुने पानी से धो लें. इससे स्किन गहराई से हाइड्रेट होगी और नमी बरकरार रहेगी.

अगर आप ग्लोइंग स्किन चाहते हैं, तो एलोवेरा और हल्दी फेस मास्क लगाना फायदेमंद रहेगा. हल्दी में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्किन को साफ और बेदाग बनाते हैं. बस 2 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 चुटकी हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें. वहीं, अगर आपकी त्वचा रूखी और बेजान लग रही है, तो एलोवेरा और शहद फेस मास्क आजमाएं. 2 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद मिलाएं और 15 मिनट तक लगाकर रखें, फिर गुनगुने पानी से धो लें. इससे स्किन गहराई से हाइड्रेट होगी और नमी बरकरार रहेगी.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

गंगा में डूबे 4 दोस्तों में 2 के शव मिले

कानपुर. कानपुर में होली के दिन गंगा नहाने गए चार दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। इनमें से दो के शव मिल गए हैं, जबकि 2 अभी भी लापता हैं। कल रेस्क्यू ऑपरेशन को अंधेरे के चलते रोकना पड़ा था। शनिवार सुबह से एनडीआरएफ भी लगातार सर्च ऑपरेशन में जुटी है। घटना स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात है। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण भी मौके पर हैं। पीएसी के गोताखोर भी युवकों की तलाश में लगे हुए हैं। धर्मेंद्र कुशवाहा और राहुल सिंह के शव 18 घंटे बाद शव मिल गया है। घटना महाराजपुर थाना क्षेत्र की है। होली खेलने के बाद शुक्रवार शाम 6 दोस्त महाराजपुर स्थित सिलवासा घाट के पास गंगा में नहाने पहुंचे। इनमें कानपुर के न्यू आजाद नगर निवासी राहुल सिंह, सुमित सिंह, महेंद्र कुशवाहा उर्फ नीरज, राजकुमार यादव, शिवम साहू और यशोदा नगर निवासी प्रियांशु थे।

वाराणसी में शादी से पहले युवक की हत्या

वाराणसी. वाराणसी में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक दिलजीत (33) की डेढ़ महीने बाद 5 मई को शादी होनी थी। शुक्रवार रात 11.57 मिनट पर युवक को एक फोन आया। वह घर से नीचे उतरकर गया। वहां हेलमेट पहने हमलावर से उसकी कुछ देर बातचीत हुई। इसके बाद हमलावर वहां से चला गया। दिलजीत घर के बगल में सीढ़ियों में बैठ गया। कुछ ही पल बाद हमलावर बाइक लेकर वापस आया और दिलजीत के सीने में गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर जब तक आसपास के लोग मौके पहुंचे। तब तक हमलावर फरार हो गया। घायल दिलजीत को परिवार के लोग हॉस्पिटल ले गए। वहां से उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इलाके में लगे एक सीसीटीवी में हमलावर और दिलजीत बात करते हुए नजर आए हैं। हालांकि, हमलावर हेलमेट पहने था। ऐसे में उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

पाकिस्तानी एजेंट को गगनयान की जानकारी देने वाला गिरफ्तार : हनीट्रैप में फंसाया

आगरा. यूपी एटीएस ने आगरा से ISI एजेंट को गिरफ्तार किया है। रवींद्र कुमार पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहा था। वह फिरोजाबाद के हजरतपुर की आर्डिनेंस फैक्ट्री में चार्जमैन के पद पर तैनात है। रवींद्र पाकिस्तान से ऑपरेट होने वाले सोशल मीडिया अकाउंट पर जानकारी दे रहा था। रवींद्र कुमार ISI के बिछाए हुए हनी ट्रैप के जाल में फंस गया। वह काफी समय से खुफिया सूचनाएं लीक कर रहा था। एटीएस को इसके पास से कई अहम पुख्ता सबूत मिले हैं। वह आगरा का निवासी है। मूल रूप से मध्य प्रदेश के शिवपुरी का रहने वाला है। रवींद्र कुमार फेसबुक के जरिए नेहा शर्मा नाम की महिला के संपर्क में आया। वह ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की गोपनीय दस्तावेज ISI के लिए काम करने वाली महिला को भेज रहा था। ATS को उसके मोबाइल से ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की अहम डेली रिपोर्ट मिली है।

कर्नाटक : मुस्लिम कॉन्ट्रैक्टर्स को सरकारी टेंडर्स में 4% रिजर्वेशन

- सिद्धारमैया कैबिनेट से प्रस्ताव पास
- कानून इसी सत्र में बदला जाएगा

बेंगलूरु. कर्नाटक की कांग्रेस सरकार मुस्लिम कॉन्ट्रैक्टर्स को सरकारी टेंडर में 4 प्रतिशत आरक्षण देगी। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को कैबिनेट मीटिंग में कर्नाटक ट्रांसपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट (KTPP) एक्ट में बदलाव का प्रस्ताव रखा, जिसे मंजूर कर लिया गया है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक ट्रांसपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट (KTPP) एक्ट में बदलाव का बिल विधानसभा के इसी बजट सेशन में लाया जाएगा। विधानसभा से पारित होने के बाद कर्नाटक के सरकारी टेंडर में मुस्लिमों को 4 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता साफ हो जाएगा।

कर्नाटक सरकार के इस फैसले पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा- भाजपा इसके खिलाफ है और हम इसका विरोध करते रहेंगे। सरकारी ठेकों पर आरक्षण पूरी तरह से असंवैधानिक है। सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर इसकी अनुमति दी जा सकती है। लेकिन किसी धार्मिक समुदाय को सीधे तौर पर आरक्षण देना स्वीकार्य नहीं है।

7 मार्च को बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा था कि सरकारी विभाग के टेंडर में कैटेगरी-2B मुस्लिमों के लिए आरक्षित की जाएगी। इसका एकमात्र उद्देश्य राज्य के मुस्लिमों को आर्थिक रूप से मजबूत करना है।

CM ने कहा कि कर्नाटक सरकार मुस्लिमों के अलावा SC-ST को भी कैटेगरी 1,2A और 2B में आरक्षण का लाभ देगी। इस वर्ग के कॉन्ट्रेक्टर सरकारी विभागों, निगमों और संस्थानों के तहत वस्तुओं और सेवाओं की खरीद कर सकेंगे। कैटेगरी-2B मुस्लिमों के लिए होगा।

राज्य सरकार ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (KPSC) में सुधार के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही KPSC सदस्यों की नियुक्ति के लिए एक सर्च कमेटी भी बनाने पर सहमति बनी है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाना है।

मुंगेर में ASI की हत्या

- रॉड से सिर पर किए वार
- पुलिस की गाड़ी पलटी,
- हथियार लेकर भाग रहा बदमाश एनकाउंटर में घायल

मुंगेर. मुंगेर में शुक्रवार को ASI संतोष कुमार की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। शराब पीकर हंगामे की सूचना पर वे अपनी टीम के साथ ITC नंदलालपुर गांव गए थे।

उनके सिर पर लोहे की रॉड से कई बार किए गए। डॉक्टर ने बताया- 'सिर में 8 शार्प इंजरी के निशान मिले हैं। खोपड़ी की हड्डी तक टूट चुकी थी।'

मौके पर अब भी ASI के खून के निशान मौजूद हैं। हमले के बाद संतोष कुमार को 20 फीट तक घसीटा गया था।

ASI को मारकर मेरे घर के सामने फेंक गए

ASI संतोष कुमार, प्रदीप कुमार की शिकायत पर गांव में पहुंचे थे। प्रदीप ने बताया- 'हम सब घर में होली खेल रहे थे। रणवीर यादव शराब पीकर गाली दे रहा था। मैंने चौकीदार से शिकायत की। कहा- अधिकारियों को बताइए ,इसे लेकर जाएंगे। थोड़ी देर में मेरा बेटा आया उसके सिर में चोट थी। रणवीर यादव ने हमला किया था।'

'मेरी मां को भी मारा था। इसके बाद मैं पुलिस थाने गया। पुलिस गांव में आई। संतोष कुमार के साथ एक ड्राइवर और एक और पुलिस वाला था। उन्होंने कहा आप घर में ही रहिए हम समझा देंगे। थोड़ी देर बाद संतोष कुमार को मारकर उन्होंने मेरे दरवाजे पर रख दिया।'

हथियार छीनकर भागने लगा अपराधी, पैर में लगी गोली

हमले के बाद पुलिस टीम ने आरोपी गुड्डू यादव को गिरफ्तार कर लिया। टीम उसे लेकर मुख्य आरोपी को पकड़ने जा रही थी। इसी दौरान गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। इसमें SHO सहित 4 पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं।

पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद गिरफ्तार गुड्डू यादव ने सिपाही का हथियार छीन लिया। आत्मरक्षा में पुलिस ने अपराधी को पैर में गोली मारी, जिससे वो घायल हो गया। सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हरियाणा में ताऊ देवी लाल का अपमान!

- स्टैचू पर चढ़कर युवक ने बनाई रील
- अब परिवार ने मांगी माफी

भिवानी। जिले के गांव धनाना में एक किशोर ने पूर्व उप प्रधानमंत्री देवी लाल की प्रतिमा पर चढ़ गए रील बनाई और इसे सोशल मीडिया के विभिन्न ग्रुपों में वायरल कर दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद जजपा के प्रदेश प्रधान महासचिव चौ. दिग्विजय सिंह चौटाला ने इसकी शिकायत सिरसा के पुलिस अधीक्षक को की।

इसी दौरान इनेलो कार्यकर्ता भी आरोपित किशोर तक पहुंच गए। जांच की तो पाया कि उक्त किशोर को चौ. देवी लाल कौन थे, इस बारे में ही नहीं पता था। बाद में किशोर व उसके स्वजनों ने माफी मांगी। सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी।

होली के दिन का है मामला

मामला होली के दिन का है। गांव धनाना के एक 16 वर्षीय किशोर ने गांव में ही लगी पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की प्रतिमा पर चढ़कर होली से संबंधित रील बनाई और इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसके बाद इस पर तरह-तरह के कमेंट आने लगे। मामला जजपा नेता दिग्विजय सिंह चौटाला तक भी पहुंचा। उन्होंने पुलिस अधीक्षक सिरसा को शिकायत कर आरोपितों पर कार्रवाई करने और उक्त फेसबुक ग्रुप डिलीट कराने के लिए पत्र लिखा।

रान्या का आरोप- कस्टडी में भूखा रखा

कर्नाटक गोल्ड स्मगलिंग केस में गिरफ्तार कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव ने राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों पर मारपीट करने और भूखा रखने का आरोप लगाया है। रान्या ने DRI के अतिरिक्त महानिदेशक को लेटर लिखकर खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि उसे झूठे मामले में फंसाया गया है।रान्या ने लिखा- DRI अफसर मुझ पर खाली पेजों पर दस्तखत करने का दबाव बना रहे थे। मना करने पर मुझे 10-15 बार थप्पड़ भी मारे गए।

सीरिया का ISIS चीफ अबू खदीजा ढेर

- इराकी सेना के ऑपरेशन में मारा गया
- PM बोले- ये दुनिया का सबसे खतरनाक आतंकी था

इराक की सेना ने एयरस्ट्राइक में ISIS के सीरिया प्रमुख अबू खदीजा को मार गिराया। इसकी पुष्टि इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने शुक्रवार को की। इस पूरे ऑपरेशन में अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन ने भी सहयोग दिया।

प्रधानमंत्री सुदानी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'अबू खदीजा इराक और दुनिया के सबसे खतरनाक आतंकवादियों में से एक था।'

कभी इराक और सीरिया के बड़े हिस्से पर कब्जा करने वाला ISIS अब फिर से संगठित होने की कोशिश कर रहा है। 2014 में अबू बक्र अल-बगदादी ने इराक और सीरिया के एक बड़े हिस्से में खिलाफत का ऐलान किया था, लेकिन 2019 में वह अमेरिकी सेना के ऑपरेशन में मारा गया। इसके बाद संगठन का पतन शुरू हो गया।

सितंबर 2024 में ISIS के 37 आतंकी मारे गए थे

पिछले साल सितंबर में अमेरिका ने सीरिया में ISIS और अलकायदा से जुड़े आतंकी ग्रुप्स के ठिकानों पर हमला किया था। इसमें 37 आतंकी मारे गए। अमेरिकी सेना ने बताया था कि उन्होंने सीरिया में दो अलग-अलग दिन ऑपरेशन को अंजाम दिया।

US सेंट्रल कमांड के मुताबिक 16 सितंबर को मध्य सीरिया में ISIS के ट्रेनिंग सेंटर पर एयरस्ट्राइक की गई थी। इसमें 28 आतंकी मारे गए। इसके बाद 24 सितंबर को उत्तरी पश्चिमी सीरिया में हमला किया गया जिसमें अलकायदा ग्रुप के 9 आतंकी मारे गए।

अमेरिकी सेना के मुताबिक हमले में अलकायदा संगठन से जुड़ा हुर्रस अल-दीन का एक टॉप कमांडर 'अब्द-अल-रऊफ' मारा गया है। वह सीरिया में मिलिट्री ऑपरेशन्स की देखरेख करता था।

कुख्यात ड्रग पैडलर अफसर अली की गोली मारकर हत्या

गम्हरिया। गम्हरिया थाना अंतर्गत सीतारामपुर डैम के समीप बीते शुक्रवार की देर शाम अज्ञात लोगों द्वारा आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती एच रोड निवासी ड्रग पैडलर अफसर अली (39) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसके शव को पुलिस ने लावारिश अवस्था में पाया, जिसके बाद उसे एमजीएम अस्पताल ले जाया गया। पुलिस द्वारा उसकी हत्या की सूचना परिजनों को देर रात दी गई। उसके बाद परिजन अस्पताल पहुंचे। बदमाशों द्वारा उसे तीन गोली मारी गई है, जिसमे एक गोली उसके सीने में तथा दोनों तरफ कनपटी में एक-एक गोली लगी है। बताया गया है कि वह और उसकी पत्नी सलमा ब्राउन शुगर का कारोबार करते हैं।

महिलाओं पर AI और ड्रोन से नजर रख रहा ईरान

- हर जगह हिजाब पहनना अनिवार्य
- UN की रिपोर्ट में खुलासा

तेहरान. पूरी दुनिया में एआई और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नागरिकों की मुश्किलों को खत्म करने के लिए किया जाता है, लेकिन ईरान इस मामले में बेहद अलग है। यहां टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हिजाब कानून को सख्ती से लागू करने के लिए किया जा रहा है।

यूनाइटेड नेशंस की रिपोर्ट में इस संबंध में चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान ड्रोन और फेसियल रिकॉगनिशन जैसे एडवांस सर्विलांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर महिलाओं को हिजाब पहनने के लिए मजबूर करने को कर रहा है।

ड्रोन भी किए जा रहे तैनात

एप की मदद से एक ऑनलाइन सिस्टम में व्हीकल को फ्लैग कर दिया जाता है। इसके बाद गाड़ी के मालिक को एक टैक्स्ट भेजा जाता है, जिसमें बार-बार उल्लंघन पर वाहन को जब्त करने की बात लिखी रहती है।

सितंबर 2024 में कानून का दायरा बढ़ाकर एंबुलेंस, टैक्सी और पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर कर रही महिलाओं को भी शामिल किया गया। ऐप के अलावा, ईरानी सरकार ने हिजाब नियमों की निगरानी के लिए तेहरान और दक्षिणी क्षेत्रों में हवाई ड्रोन तैनात करना शुरू कर दिया है।

मोबाइल एप से रखी जा रही नजर

- यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने अपने हिजाब कानून का सख्ती से पालन करवाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ड्रेस कोड का पालन न करने वाली महिलाओं को ट्रैक करने और दंडित करने के लिए डिजिटल टूल्स का सहारा लिया जा रहा है।
- इसके लिए नाजर मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो पुलिस और नागरिकों दोनों को हिजाब कानूनों का उल्लंघन करने वाली महिलाओं की रिपोर्ट करता है। इस एप की मदद से व्हीकल का लाइसेंस प्लेट नंबर, लोकेशन और उल्लंघन का समय अधिकारियों तक पहुंच जाता है।

दिल्ली कैपिटल्स ने अक्षर पटेल को कप्तान बनाया

- 2019 से टीम का हिस्सा हैं
- कप्तानी की रेस में राहुल भी शामिल थे

ऑलराउंडर अक्षर पटेल IPL-2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स टीम के कप्तान होंगे। फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया।

कप्तानी की रेस में केएल राहुल का भी नाम शामिल था। दोनों के नामों पर विचार किया गया और आखिर में अक्षर पटेल को टीम की जिम्मेदारी दी गई है। IPL-2025 की शुरुआत 22 मार्च से होनी है।

अक्षर पटेल 2019 से दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं। वह दिल्ली के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले 6 सीजन में टीम के लिए 82 मैच खेले हैं। वहीं, 30 के औसत से 235 रन बनाने के साथ ही 7.65 की इकोनॉमी से 11 विकेट भी लिए हैं। वहीं ऋषभ पंत के एक मैच में स्लो ओवर के लिए बैन होने की वजह से अक्षर कप्तानी कर चुके हैं। हालांकि, इस मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

दिल्ली ने 16.50 करोड़ में अक्षर को रिटेन किया था

अक्षर पटेल को दिल्ली कैपिटल्स ने IPL मेगा ऑक्शन से पहले 16 .50 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। उन्होंने IPL के 150 मैचों में बतौर बल्लेबाज 130 .88 की स्ट्राइक रेट से 1653 रन बनाए हैं। इसके अलावा गेंदबाज के तौर पर 123 विकेट लिए हैं। इस लीग में अक्षर पटेल का बेस्ट बॉलिंग फिगर 21 रन देकर 4 विकेट है।

केएल राहुल को 14 करोड़ में दिल्ली ने IPL ऑक्शन में खरीदा था

केएल राहुल को दिसंबर में हुए IPL मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 14 करोड़ में खरीदा था। राहुल IPL में कई टीमों की कप्तानी कर चुके हैं, ऐसे में माना जा रहा था कि फ्रेंचाइजी उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी सौंप सकती है। राहुल IPL में 4683 रन बना चुके हैं।

परीक्षा देने जा रही छात्राओं पर डाला केमिकल वाला कलर

- 7 लड़कियां अस्पताल में भर्ती

गडग. कर्नाटक के गडग जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां पर होली के रंग में भंग में उस समय पड़ गया जब होली मनाते समय बदमाशों के एक गिरोह ने कम से कम सात स्कूली छात्राओं पर केमिकल युक्त रंग डाल दिया।

केमिकल वाले रंग के कारण छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। केमिकल वाले रंग पड़ने के कारण छात्राओं के सांस लेने में परेशानी और सीने में दर्द महसूस हुई। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। घटना जिले के लक्ष्मेश्वर कस्बे की है।

चार छात्राओं की हालत गंभीर

घटना के बाद छात्राओं को अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर उनका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार चार छात्राओं की हालत गंभीर है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उन्हें आगे के इलाज के लिए गडग इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीआईएमएस) में भर्ती कराया गया है, जबकि बाकी लड़कियों का लक्ष्मेश्वर के स्थानीय सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

लोगों में दिखा आक्रोश

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। पीड़ितों के माता-पिता अस्पताल पहुंचे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस केस दर्ज किया है और बदमाशों के गिरोह की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि छात्राएं लक्ष्मेश्वर शहर के सुवर्णगिरी टांडा के पास बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रही थीं। छात्राएं बस से अपने स्कूल जा रही थीं। आज इन छात्राओं को परीक्षा देनी थी।

बाइक सवार बदमाशों ने फेंका रंग

जिस समय ये छात्राएं बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रही थीं, उसी समय कुछ बदमाश लड़के मोटरसाइकल पर आए और छात्राओं पर रंग फेंकना शुरू कर दिया। इसी समय बस भी स्टैंड पर पहुंची और ये स्कूली छात्राएं बस में बैठने में कामयाब हो गईं।

सूत्रों ने बताया कि इस दौरान इन बाइक सवार बदमाशों ने बस का पीछा किया और खास कर के उन सात छात्राओं को निशाना बनाया और उनपर रंग फेंकना शुरू कर दिया। शुरुआती जांच के अनुसार इस रंग में गाय का गोबर, अंडे, फिनोल और रंग का मिश्रण था। इस रंग के संपर्क में आने के कारण छात्राओं को सांस लेने में परेशानी और अन्य लक्षण महसूस हुए।

'जो पाकिस्तान गए वो कायर, हम भागेंगे नहीं'

- होली पर मस्जिदों को ढकने पर भड़के ओवैसी
- सीएम योगी पर भी बोला हमला

हैदराबाद. ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने होली के दौरान मुस्लिमों को घर में रहने की हिदायत देने पर आपत्ति जाहिर की है। ओवैसी ने कहा कि 'हम कायर नहीं हैं। हम भागेंगे नहीं।'

ओवैसी की प्रतिक्रिया उन बयानों के विरोध में थी, जिसमें कहा गया था कि अगर मुस्लिम नहीं चाहते कि होली के दौरान उन्हें कोई रंग लगाए, तो उन्हें घर के अंदर ही रहना चाहिए। बता दें कि उत्तर प्रदेश के संभल में सर्किल ऑफिसर अनुज चौधरी ने 6 मार्च को सुझाव दिया था कि जो लोग रंगों से असहज हैं, उन्हें घर के अंदर रहना चाहिए।

सीओ अनुज चौधरी के बयान का यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी समर्थन किया था। ओवैसी ने कहा, 'कुछ लोग कहते हैं कि आपको नमाज़ नहीं पढ़नी चाहिए और घर के अंदर ही रहना चाहिए। उनका कहना है कि जैसे हमने अपनी मस्जिदों को ढक रखा है, वैसे ही हमें खुद को भी ढकना चाहिए, नहीं तो घर के अंदर ही रहना चाहिए।'

ओवैसी ने कहा, 'जो लोग पाकिस्तान चले गए, वे कायर थे। हम भागेंगे नहीं, हम कायर नहीं हैं। एक मुख्यमंत्री ने कहा कि जुमा की नमाज घर पर भी अदा की जा सकती है। वह कौन होते हैं हमें यह बताने वाले कि हम क्या कर सकते हैं और क्या नहीं?'

इस साल होली 14 मार्च को रमजान के दूसरे जुमे नमाज के साथ पड़ी। सुरक्षा बलों ने कई राज्यों में शांतिपूर्ण उत्सव सुनिश्चित करने के लिए फ्लैग मार्च किया और चौकियां स्थापित कीं। होली के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए स्थानीय प्रशासन के आदेश पर उत्तर प्रदेश में कई मस्जिदों को तिरपाल से ढक दिया गया था।

तमिलनाडु के नेता पाखंडी -पवन कल्याण

- हिन्दी का विरोध तो तमिल फिल्में डब क्यों कराते हैं
- देश को कई भाषाओं की जरूरत

आंध्र प्रदेश के डिप्टी CM और एक्टर पवन कल्याण भी तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच जारी भाषा विवाद में कूद गए हैं। पवन कल्याण ने कहा कि तमिलनाडु के नेता हिन्दी का विरोध करते हैं। दूसरी तरफ तमिल फिल्मों को हिन्दी में डब कराकर पैसे कमाते हैं। ऐसा क्यों? ये पाखंड कर रहे हैं।

पवन कल्याण अपनी पार्टी जन सेना के 12वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की भाषायी विविधता को सुरक्षित रखने के लिए हमें एक या दो नहीं बल्कि सभी भाषाओं का विकास और सम्मान करना होगा। इससे देश की अखंडता बनी रहेगी।

NDA के सहयोगी कल्याण ने तमिलनाडु के नेताओं का नाम लिए

बिना कहा- एक तरफ वे हिन्दी का विरोध करते हैं, लेकिन पैसे कमाने के लिए अपनी फिल्मों को हिन्दी में डब कराते हैं। मुझे समझ में नहीं आता कि आखिर ऐसा क्यों। वे बॉलीवुड से पैसा तो चाहते हैं, लेकिन हिन्दी को स्वीकार करने से इनकार करते हैं। ये कैसा तर्क है।

बजट डॉक्यूमेंट में रुपए का सिंबल बदला

तमिलनाडु में DMK की सरकार ने 13 मार्च को 2025-26 के बजट में '₹' का सिंबल 'ரூ' सिंबल से रिप्लेस कर दिया था। यह तमिल लिपी का अक्षर 'रु' है। भाजपा ने इस पर नाराजगी जताते हुए स्टालिन को स्टूपिड कहा तो केंद्रीय वित्त मंत्री ने पूछा कि 2010 में जब सिंबल बना था तब इसका विरोध DMK ने क्यों नहीं किया।

'मंदिर पर हमला ISI की साजिश'

- अमृतसर में ग्रेनेड हमले पर पुलिस कमिश्नर का बड़ा बयान
- CCTV में कैद हुई घटना

अमृतसर. अमृतसर के खंडवाला में ठाकुरद्वारा मंदिर में शुक्रवार देर रात ग्रेनेड अटैक हुआ। दो बाइक सवार लोगों ने मंदिर पर विस्फोटक फेंकी, जिससे धमाका हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को मंदिर की ओर एक संदिग्ध वस्तु फेंकते देखा गया। सीसीटीवी फुटेज में घटना कैद हो गई है। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, तथा घटना की जांच के लिए पुलिसकर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए।

'हमले में ISI का हाथ'

अमृतसर के कमिश्नर जीपीएस भुल्लर ने विस्फोट में

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हमें इस घटना की सुबह 2 बजे सूचना मिली। हम तुरंत मौके पर पहुंचे।

उन्होंने कहा कि फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। हमने सीसीटीवी की जांच की तथा आस-पास के लोगों से बात की। बात यह है कि पाकिस्तान की आईएसआई हमारे युवाओं को पंजाब में अशांति फैलाने के लिए बहकाती है।

भुल्लर ने मामले को तेजी से सुलझाने का भरोसा जताते हुए कहा कि हम कुछ ही दिनों में इस मामले का पता लगा लेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने युवाओं को कड़ी चेतावनी भी दी और उनसे अपनी जिंदगी बर्बाद न करने का आग्रह किया।

41 देशों के लिए US वीजा बैन करने पर विचार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 41 देशों के नागरिकों के लिए US वीजा बैन करने पर विचार कर रहे हैं। ये जानकारी न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने दी है। इस लिस्ट में भारत के पड़ोसी भूटान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और म्यांमार का भी नाम शामिल है। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि यह फाइनल लिस्ट नहीं है, क्योंकि अभी इसे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियों की तरफ से ग्रीन सिग्नल मिलना बाकी है। जिन 41 देशों पर वीजा बैन के बारे में विचार किया जा रहा है, उन सभी पर एक तरह का बैन नहीं लगाए जाएगा। इस बैन को तीन कैटेगरी में बंटा गया है।

1) **रेड लिस्ट:** पूरी तरह वीजा बैन।

2) **ऑरेंज लिस्ट:** आंशिक वीजा बैन।

3) **यलो लिस्ट:** अमेरिका की तरफ से बताए गए मुद्दों पर कार्रवाई नहीं करने पर आंशिक वीजा बैन।

संक्षेप...

सीबीआई ने मुलुंड रेलवे स्टेशन मास्टर को की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

मुंबई. मुलुंड रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर को 9,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए सीबीआई ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है. आरोपी पर रेलवे स्टेशन की पार्किंग ठेकेदार से हर महीने घूस मांगने और उसे परेशान करने का आरोप है. केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने स्टेशन मास्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया और ट्रैप बिछाकर उसे रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया. यह कार्रवाई 11 मार्च 2025 को की गई. शिकायतकर्ता एक निजी कंपनी की तरफ से मुलुंड रेलवे स्टेशन पर पार्किंग का काम संभाल रहा था. आरोप है कि फरवरी 2025 में स्टेशन मास्टर उसके पास आया और हर महीने 10,000 रुपये की रिश्वत मांगने लगा.

भिवंडी डीपी प्रारूप फेरबदल पर शहरवासियों की टिकी निगाहें

शिकायतों के मद्देनजर नए प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर द्वारा डीपी प्रारूप पर कैंची चलाने के आसार..

▶▶ वर्षा सिंह

भिवंडी. भिवंडी शहर के विकास के लिए बनाई गई सुधारित डीपी 2024-44 भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है.तत्कालीन प्रशासक अजय वैद्य के भ्रष्ट कारभार एवं मनमानी से शहर विकास की प्रस्तावित डीपी प्रारूप पर प्रकाशन के पूर्व ही प्रश्नचिन्ह खड़ा हो चुका है. भिवंडी मनपा की सुधारित डीपी 2024-44 को लेकर शहरवासियों की मिली अनगिनत शिकायतों के मद्देनजर नए प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर द्वारा डीपी फेरबदल पर कैंची चलाने के प्रबल आसार हैं. पुराने प्रशासक अजय वैद्य द्वारा विगत 1 माह के दौरान डीपी प्रारूप में संबंधित विभागीय अधिकारियों पर दबाव डालकर आर्थिक फायदे की खातिर शहर विकास को नजरअंदाज एवं नियम कानून को दरकिनार कर भ्रष्ट तरीके से शहर विकास की खातिर वर्षों से आरक्षित जमीन से हटाया आरक्षण समूचे शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है. जागरूक नागरिकों द्वारा की गई शिकायतों पर नए प्रशासक, आयुक्त क्या निर्णय लेंगे शहरवासियों की निगाहें टिकी हैं.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा द्वारा शहर के सर्वांगीण विकास हेतु 1वर्ष पूर्व डीपी प्रारूप 2024*44 का प्रकाशन कर शहरवासियों से सुझाव एवं आपत्तियां दर्ज कराने की मांग की गई थी.सुधारित डीपी प्रारूप को लेकर करीब 8,000 से अधिक जागरूक लोगों द्वारा सुझाव,आपत्ति नगर विकास

मंत्रालय द्वारा नामित मनपा प्रशासक अजय वैद्य की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कमेटी के समक्ष दर्ज कराई गई थी .शासन के सूत्रों की माने तो, नगर विकास मंत्रालय द्वारा नामित 5 सदस्यीय कमेटी में मनपा प्रशासक, आयुक्त अजय वैद्य को सर्वाधिकार प्राप्त था.नामित कमेटी को सिर्फ सुझाव, आपत्ति से प्रशासक अजय वैद्य एवं एडीशनल डायरेक्टर टाउन प्लानर को अवगत कराना था.

सुधारित डीपी प्रारूप में शहर

विकास से जुड़े आरक्षित भूखंडों को फ्री करने की खातिर लाभार्थियों से लाखों रुपए का आर्थिक लेनदेन कर तत्कालीन प्रशासक अजय वैद्य एवं मनपा एडीटीपी अजय साबले द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों पर दबाव डालकर मंजूरी पत्र लेकर किए गए अनगिनत फेरबदल से शहर विकास प्रारूप को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया है. भ्रष्ट तरीके से बनाई गई डीपी प्रारूप को लेकर शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म है.सूत्रों की मानें तो बांधकम विभाग, जलापूर्ति, उद्यान विभाग, शहर विकास, क्रीड़ा विभाग आदि के संबंधित अधिकारियों को धमकाकर आरक्षण हटाने का अनापत्ति प्रमाणपत्र लेकर प्रशासक अजय वैद्य एवं एडीटीपी साबले ने मनमानी तरीके से वर्षों से शहर विकास के लिए आरक्षित भूखंडों को भूमि मालिकों के पक्ष में कर करोड़ों की कमाई की है. आश्चर्यजनक है कि, 6 माह पूर्व से ही डीपी प्रारूप को लेकर अनगिनत शिकायतें जागरूक नागरिकों द्वारा किए जाने के बाद भी शासन की नींद नहीं खुली.सूत्रों की मानें तो, मनपा प्रशासक अजय वैद्य की तत्कालीन सीएम एकनाथ शिंदे के पीए से नजदीकी होने की वजह से जागरूक नागरिकों द्वारा की गई डीपी शिकायत जांच की मांग का मुद्दा ठंडे बस्ते में चला गया था.भिवंडी शहर विकास प्रारूप 2024-44 के आरक्षित भूखंड को लाभार्थियों के मनमाफिक कर करोड़ों की वसूली कर चुके तत्कालीन प्रशासक अजय वैद्य को शासन ने 1 माह पूर्व हटाकर आईएएस अधिकारी अनमोल सागर को मनपा का नया प्रशासक नियुक्त किया है.

दोनों विधायक भी सुधारित डीपी मंजूरी के खिलाफ

- डीपी में हुए भारी भ्रष्टाचार का खुलासा होते ही भिवंडी पूर्व सपा विधायक रईस शेख और भिवंडी पश्चिम भाजपा विधायक महेश चौगुले शहर के सर्वांगीण विकास हेतु बनाई गई डीपी में हुई भारी अनियमितता को लेकर जोरदार खिलाफत पर उतर आए हैं .शहर के सर्वांगीण विकास को नजरअंदाज कर तत्कालीन प्रशासक अजय वैद्य द्वारा सिर्फ पैसा कमाने के लिए बनाई गई डीपी प्रारूप का जोरदार विरोध करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं उप मुख्यमंत्री, नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे को लिखितपत्र देकर नई डीपी का प्रकाशन तत्काल प्रभाव से रोक कर कैंसिल करने की मांग की है .
- शहर के दोनों विधायकों ने मनपा प्रशासक अनमोल सागर से भी भेंट कर डीपी प्रारूप का प्रकाशन रोकने एवं पूर्व प्रशासक अजय वैद्य द्वारा पैसा लेकर दर्जनों आरक्षण को हटाने की जांच किए जाने की मांग की है . शहरवासियों की निगाहें नवनियुक्त प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर द्वारा प्रस्तावित डीपी प्रकाशन को लेकर लिए जाने वाले निर्णय पर टिकी हुई हैं .

SST महाविद्यालय में 'पहचान 2025' कार्यक्रम

■ ट्रांसजेंडर समुदाय को पहचान प्रमाण पत्रों का वितरण

उल्हासनगर. एसएसटी महाविद्यालय और ग्लोबल राइट्स फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'पहचान 2025' नामक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर समुदाय को सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले आधिकारिक पहचान प्रमाण पत्र वितरित किए गए। महाविद्यालय के वातानुकूलित सभागार में आयोजित इस समारोह में, मान्यवरों की उपस्थिति में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को उनके अधिकारों की आधिकारिक पहचान प्राप्त हुई।

इस प्रमाण पत्र के माध्यम से ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा, जिससे उन्हें समाज की

मुख्यधारा में शामिल होने में सहायता मिलेगी। एसएसटी महाविद्यालय ने सामाजिक उत्तरदायित्व को ध्यान में रखते हुए ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराए हैं। समाज के उपेक्षित वर्गों के लिए महाविद्यालय लगातार विभिन्न पहल करता रहता है, और इसी क्रम में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ग्लोबल राइट्स फाउंडेशन की संस्थापिका डॉ. योगा नांबियार ने समाज के उपेक्षित वर्गों के लिए कई पहल की हैं। ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को आधिकारिक पहचान प्राप्त हो, इसके लिए उन्होंने विशेष प्रयास किए। उनके इस कार्य को एसएसटी महाविद्यालय ने समर्थन दिया और संयुक्त रूप से इस पहल को सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस कार्यक्रम में एसएसटी महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, उल्हासनगर महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गवस, सहायक आयुक्त मयूरी कदम, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी सचिन पालखे, सामाजिक कार्यकर्ता मनीषा मलबारी, ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता गुरु माँ शिल्पा पाटिल और गुरु माँ मुजरा, राष्ट्रीय सेवा योजना के ठाणे जिला समन्वयक व महाविद्यालय के उपप्राचार्य प्रा. जीवन विचारे, उपप्राचार्य डॉ. दीपक गवादे उपस्थित रहे।

पहचान प्रमाण पत्रों के साथ ही, ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को उनके द्वारा पूर्ण किए गए कौशल प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। यह पहल उनके आत्मसम्मान और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुआ है। समाज में हमेशा उपेक्षित रहने वाले इस वर्ग को आज आधिकारिक पहचान मिलने के कारण उनकी खुशी देखते ही बन रही थी। ग्लोबल राइट्स फाउंडेशन की संस्थापिका डॉ. योगा नांबियार ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए एसएसटी महाविद्यालय का आभार व्यक्त किया। एसएसटी महाविद्यालय द्वारा सामाजिक समरसता और समावेशन को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया यह कदम सराहनीय साबित हुआ।

होली के दौरान हुए विवाद के बाद 17 वर्षीय लड़के पर हमला

ठाणे. एक आवासीय परिसर में होली समारोह के दौरान हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति ने 17 वर्षीय एक लड़के को कथित तौर पर हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि डोंबिवली में इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि आवासीय परिसर के बच्चों का एक समूह एक-दूसरे पर पानी के गुब्बारे फेंक रहा था, तभी एक गुब्बारा गलती से पास में खड़े एक व्यक्ति पर जा गिरा। इस घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि आरोपी व्यक्ति ने समूह के एक लड़के की कथित तौर पर पिटाई कर दी और उस पर धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से जख्मी कर दिया।

4 स्ट्रगलिंग फीमेल एक्ट्रेस को मुक्त कराया

मुंबई. पुलिस ने जिस्मफरोशी के एक हाई प्रोफाइल रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार स्ट्रगलिंग फीमेल एक्ट्रेस को मुक्त कराया है। ये एक्ट्रेस फिल्मों में काम करने का सपना लेकर आईं थी, लेकिन पैसे की तंगी ने देह व्यापार के दलदल में फंसा दिया था। फिल्मों में काम नहीं मिलने के चलते ये जिस्म बेचने को मजबूर हो गईं थीं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पवई पुलिस को इस सेक्स रैकेट के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर कार्रवाई की गई। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने होटल में जाल बिछाया और श्याम सुंदर अरोड़ा नाम के एक व्यक्ति को महिलाओं को देह व्यापार में धकेलने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने छापा मारा तब चारों फीमेल एक्ट्रेस होटल में थीं। पुलिस को देखकर वे कांपने लगीं, रोने लगीं। इनमें से एक एक्ट्रेस ने हिंदी टीवी सीरियल्स में काम किया है। पुलिस आने पर चारों एक्ट्रेस अपना चेहरा छिपाने लगीं। पुलिस ने इनकी पहचान गुप्त रखी है। उन्हें धंधेबाज के चंगुल से मुक्त कराया है।

आम सूचना

मैं श्रीमती पूजा विशनदास हेमवानी सभी को सूचित कर रही हूं कि शॉप नं. 7, ग्राऊंड फ्लोर, हरे रामा हरे कृष्णा अपार्टमेंट, ओटी सेक्शन रोड, बालाजी मंदिर के सामने, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 37बीओ007888800) उक्त प्रॉपर्टी श्री गोपीलाल बी. वसियानी व श्रीमती पूजा विशनदास हेमवानी के नाम पर है। श्री इंदर गोपीलाल वसियानी, श्रीमती शीला ताराचंद हिंदूजा व श्री सुरेश गोपीलाल वसियानी ने रिलीज डीड दि. 13.3.2025 सी.नं. 283 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्रीमती पूजा विशनदास हेमवानी

सूटकेस के अंदर धड़ से रहित महिला का सिर

पालघर. महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक सूटकेस के अंदर धड़ से रहित महिला का सिर मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गुरुवार शाम को विरार इलाके में पीरकुंडा दरगाह के पास धड़ से रहित महिला का सिर मिला। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानीय बच्चों को एक लावारिस सूटकेस मिला और उन्होंने उत्सुकता से इसे खोला और इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। मांडवी थाने के अधिकारी ने बताया कि 'फोरेंसिक' विशेषज्ञ साक्ष्य जुटाने के लिए घटनास्थल का दौरा करेंगे और हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए जांच की जा रही है। यह पूरा मामला पालघर के पीरकुंडा दरगाह के पास का है। यहां कुछ बच्चों को एक सूटकेस से एक महिला का सिर मिला। इसमें महिला का बाकी शरीर नहीं था।

इस मामले की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार की शाम को विरार इलाके में पीरकुंडा दरगाह के पास धड़ से रहित महिला का सिर मिला। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानीय बच्चों को एक लावारिस सूटकेस मिला। उन्होंने उत्सुकता से इसे खोला। इसमें महिला का धड़ रहित सिर मिलने के बाद पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया गया। वहीं मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची।

मांडवी थाने के अधिकारी ने बताया कि 'फोरेंसिक' विशेषज्ञ साक्ष्य जुटाने के लिए घटनास्थल का दौरा करेंगे। इसके अलावा हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

2019-20 की ऑडिट रिपोर्ट स्थायी समिति को सौंपी गई

■ शेष रिपोर्ट के लिए मार्च-2025 और दिसंबर-2025 का लक्ष्य निर्धारित

ठाणे. मनपा का पिछले 5 वर्षों में ऑडिट नहीं हुआ' कुछ अखबारों में खबर प्रकाशित हुई है।जबकी ठाणे मनपा की वर्ष 2019-20 की ऑडिट रिपोर्ट पहले ही स्थायी समिति को सौंपी जा चुकी है।वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2021-22 की ऑडिट रिपोर्ट के लिए मार्च-2025 और वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 की ऑडिट रिपोर्ट के लिए दिसंबर-2025 निर्धारित की गई है।

इस ऑडिट रिपोर्ट के तथ्य इस प्रकार हैं

महाराष्ट्र मनपा अधिनियम की धारा 106 के तहत लेखापरीक्षा की अंतिम रिपोर्ट माननीय इसे स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।वर्तमान में वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए ठाणे मनपा का ऑडिट पूरा करने के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। इसे स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।ठाणे

मनपा के विभागों को 24 प्रभागों में विभाजित किया गया है और उनका ऑडिट किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 का ऑडिट कार्य भी पूरा हो चुका है इनमें 7 विभागों की रिपोर्ट स्थायी समिति को सौंप दिया गया है। बाकी 17 विभागों की ऑडिट रिपोर्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया मार्च 2025 के अंत तक पूरी कर ली जाएगी।वर्ष 2024 में लोकसभा आम चुनाव और विधानसभा चुनाव हुए।उस समय चुनाव के लिए लेखापरीक्षा विभाग के अधिकांश कर्मचारी चुनाव ड्यूटी पर थे इसके कारण ऑडिट कार्यवाही में देरी हुई। अब चुनाव कार्य पूरा होने के बाद ऑडिट विभाग आगे की कार्रवाई कर रहा है और मार्च 2025 और दिसंबर 2025 के दोनों लक्ष्य तय समय में पूरे हो जाएंगे यह जानकारी चीफ ऑडिटर दिलीप सूर्यवंशी ने बताया।

PUBLIC NOTICE

My client Shri Rajesh Hiranand Shadija, Aged about 53 Years, R/at: Barrack No. 37, Room No. 14, Charandas Chowk, Ulhasnagar 421001, Dist. Thane, in his full sense and knowledge, have disowned his son namely Shri Yash Rajesh Shadija from his moveable, immoveable property of whatsoever nature and my client himself and his wife namely Smt. Bharti Rajesh Shadija and his daughter namely Simran Rajesh Shadija @ Siya Rohit Vaswani has path their ways and severed all their relation with Shri Yash Rajesh Shadija, due to their regular misbehaviour and misconduct with them. Whoever deals with them shall be responsible himself.

Sign of
Shri Rajesh Shadija

Sign of Advocate
MONIKA DINGRIYA
B.Com, LL.B, LL.M
Advocate High Court,
Mobile No:- 9604604308
OFFICE ADD:- SHOP NO. 99, NEAR MAHADEV PLASTICS, DUDH NAKA CHOWK, ULHASNAGAR-421005, DIST- THANE.

होली पर नशे में धुत चालकों पर ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

ठाणे. होली पर्व पर नशे में धूर्त होकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 778 लोगों पर यातायात पुलिस ने कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में शराब पीकर गाड़ी चलाने, बिना हेलमेट और ट्रिपल सीट जैसे कानून का उल्लंघन करने वाले शामिल हैं।कुछ जगहों पर पुलिस ने शराब पीकर ड्राइवर के पीछे बैठने वालों पर भी कार्रवाई की है।

धूलिवंदन के उत्साह में यातायात पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए तत्पर थी कि मोटर चालकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन न किया जाए और उनके और नागरिकों के जीवन को खतरा न हो। रात 12 बजे से ही पुलिस ने नाकेबंदी के नाम पर उत्पात मचा रहे युवकों पर नजर रखी।ऐसे युवा यातायात नियमों का उल्लंघन न करें इसके लिए एहतियात बरती जा

रही है।उसके तहत ट्रैफिक पुलिस ने पांचों सर्किल में व्यवस्था बनाई।ट्रैफिक पुलिस को सभी पांच सर्किलों में 91 दोपहिया वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हुए मिले।

बिना हेलमेट वाले 413 और ट्रिपल सीट पर बैठने वाले 278 लोगों पर कार्रवाई की गई।सबसे ज्यादा शराब पीकर गाड़ी चलाने की कार्रवाई उल्हासनगर में और सबसे कम कार्रवाई ठाणे मंडल में की गई।उल्हासनगर डिवीजन में 24 लोग नशे में गाड़ी चलाते हुए पाए गए, जबकि ठाणे डिवीजन में नौ लोग पाए गए।

ठाणे डिवीजन - नशे में गाड़ी चलाना - 9, बिना हेलमेट - 85, ट्रिपल सीट - 15। उल्हासनगर डिवीजन - नशे में गाड़ी चलाना - 24, बिना हेलमेट - 32, ट्रिपल सीट - 160 वागले डिवीजन - ड्रंक एंड ड्राइव - 19, बिना हेलमेट - 99, ट्रिपल सीट - 12।भिवंडी डिवीजन - नशे में गाड़ी चलाना - 20, बिना हेलमेट - 48, ट्रिपल सीट - 16 कल्याण विभाग - ड्रंक एंड ड्राइव - 19, बिना हेलमेट - 149, ट्रिपल सीट - 71यह जानकारी यातायात पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाठ ने दिया।

शिरसाट का दावा- NCP में शामिल होंगे जयंत पाटिल

मुंबई. शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट ने दावा किया कि वरिष्ठ एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल शरद पवार की पार्टी छोड़कर अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में शामिल होंगे। शिरसाट ने कहा, 'मैंने पहले भी कहा है कि जयंत पाटिल एनसीपी में अधिक समय तक नहीं रहने वाले हैं। शरद पवार की पार्टी में भूचाल आएगा।

आप देखेंगे कि वे अजित पवार की एनसीपी में शामिल होंगे।' शिरसाट की यह टिप्पणी एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष पाटिल के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके बारे में कुछ भी निश्चित नहीं है। उनकी टिप्पणियों से यह भी चर्चा शुरू हो गई कि वे एनसीपी (एसपी) छोड़ सकते हैं।

'पुष्पा' एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का स्ट्रगल

■ एक्ट्रेस बोलीं- हाथ जलते, पेट दर्द से तड़पती

■ फिर भी सेट पर जाना पड़ा, हार मानना मंजूर नहीं

पैन इंडिया स्टार बनीं रश्मिका मंदाना का सफर आसान नहीं था। किरिक पार्टी से डेब्यू के बाद उन्होंने डबल शिफ्ट्स, स्क्रीन टेस्ट और रिजेक्शन झेले, लेकिन हार नहीं मानी। पुष्पा की सफलता ने उन्हें हर घर में पहचान दिलाई।

अब अपनी पहली सोलो फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' को लेकर

उत्साहित रश्मिका ने अपने स्ट्रगल, स्टारडम और नए प्रोजेक्ट पर खुलकर बात की।

कई बार शरीर ने जवाब दे दिया, लेकिन फिर भी सेट पर जाना पड़ा

बहुत मुश्किल दौर था। ऐसा लगता था कि मैं पूरी ताकत से भाग रही हूं, लेकिन मंजिल नजर ही नहीं आ रही। दिन-रात मेहनत कर रही थी - डबल शिफ्ट्स, डायलॉग कोचिंग, स्क्रीन टेस्ट, रिजेक्शन। कई बार ऐसा हुआ कि शरीर ने जवाब दे दिया, लेकिन फिर भी सेट पर जाना पड़ा।

हाथ जल जाते, कभी पेट दर्द से परेशान होती, फिर भी खुद को संभालना पड़ता। पर यही वो समय था जब मैंने खुद से वादा किया कि यह संघर्ष कभी बेकार नहीं जाएगा। जब भी निराश होती थी, खुद से कहती थी - 'अच्छे दिन आएंगे, बस चलते रहो।' यही सोच मेरी सबसे बड़ी ताकत बनी।

मैं कभी पूरी तरह संतुष्ट नहीं होती। हर फिल्म के बाद सोचती हूं, 'अब इससे बेहतर क्या कर सकती हूं?' जब 'पुष्पा' की, तब लगा कि ये बेस्ट है, लेकिन अब सोचती हूं कि इससे आगे क्या? मैं अपनी सबसे बड़ी कॉम्पटीटर खुद हूं।

मैं यह नहीं चाहती कि लोग मुझे किसी और से कंपेयर करें। मेरा फोकस हमेशा खुद को बेहतर बनाने पर रहता है। मेरे लिए स्टारडम से ज्यादा जरूरी यह है कि लोग मुझसे कनेक्ट महसूस करें। जब लोग आपकी सच्चाई से प्यार करने लगते हैं, तो सफलता और असफलता मायने नहीं रखती।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099